1. नवनिर्माण

त्रिलोचन

प्रश्न – 1) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।
(पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ क्र. 1-2)

तुमने विश्वास दिया है मुझको.....
बढ़ चलो, सामने अंधेरा है।

कृति – 1 (आकलन)

1) कृति पूर्ण कीजिए :

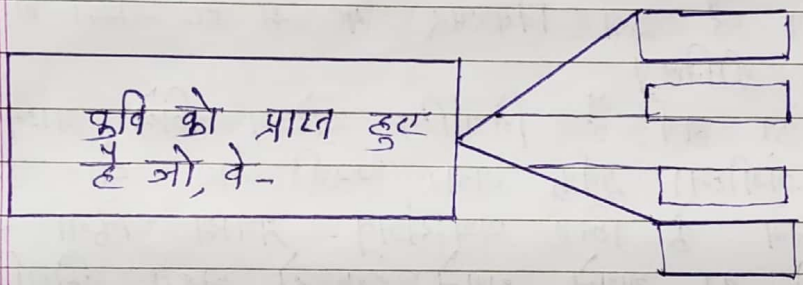

2) 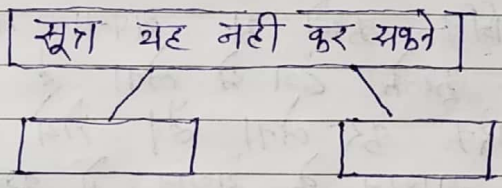

3) ऐसे दो प्रश्न बनाकर लिखिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो :
1) भूमि पर 2) भूमि को

4) उत्तर लिखिए :

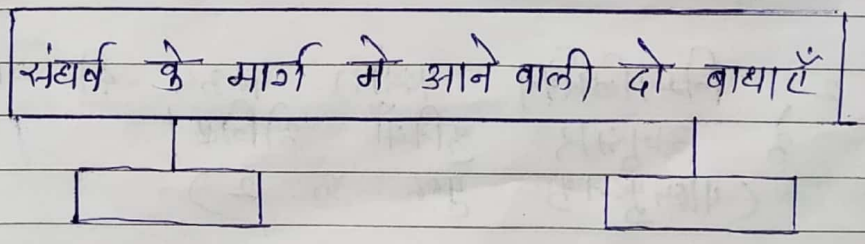

शब्द संपदा

1) निम्नलिखित शब्द के अर्थवाले दो शब्द पद्यांश में ढूँढकर लिखिए : 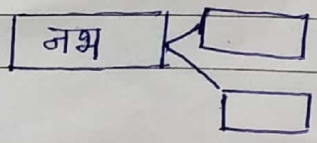

Scanned by CamScanner

निम्नलिखित शब्दो के शब्द-युग्म बनाकर लिखिए:
1> नोट 2> काम
3> जाना 4> आकाश

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।
1> विश्वास x
2> अंधेरा x
3> सत्य x
4> सामने

कृति - 3 (अभिव्यक्ति)

* धरती से जुडा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है इस विषयपर 40 से 50 शब्दों मे अपना मत प्रकट कीजिए।

उत्तर - लक्ष्य का अर्थ है निर्धारित उद्देश्य, जिसे प्राप्त करने के लिए गंभीरता पूर्वक नजर रखी जाए और उसे अर्जित करने के लिए यथासंभव प्रयास किया जाए। हर व्यक्ति का अपने-अपने ढंग से लक्ष्य निर्धारण करने और उसे अर्जित करने का अपना तरीका होता है। कोई इसे हल्के फुल्के ढंग से लेता है और बडे से बडा लक्ष्य निर्धारित कर लेता है। ऐसे लक्ष्य क्षमता कमी और अपर्याप्त साधन के अभाव में कभी पूरी नही हो पाते। जो व्यक्ति अपनी क्षमता और अपने पास उपलब्ध साधनों के अनुसार लक्ष्य का निर्धारण और उसकी पूर्ति के लिए तन मन धन से प्रयास करता है वह व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने मे अवश्य सफल होता है। ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति जमीन से जुडे हुए होते है।

प्रश्न - 2 निम्नलिखित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।
(पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. 2)

बल नही होता सताने के लिए .....
..... अपना इतिहास यही कहता है।

(आकलन)

Scanned by CamScanner

1) कृति पूर्ण कीजिए।

1) बल इसके लिए होना है

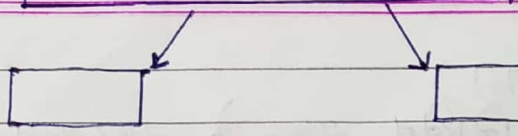

2) जिसे मंजिल का पता रहता है, वह

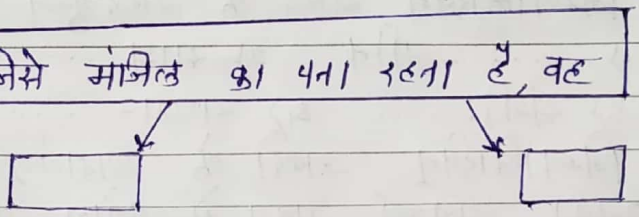

(अभिव्यक्ति)

* 'मानव सेवा ही सच्ची सेवा है' इस विषयपर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

प्र० 3 रा निम्नलिखित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

(पाठ्यपुस्तक ~~क्र.~~ पृष्ठ क्र. 2)

प्रीति की राहपर चले आओ, ...

.... यों अतीत का भी गीत अच्छा था।

कृति - 1 (आकलन)

कवि का आवाहन

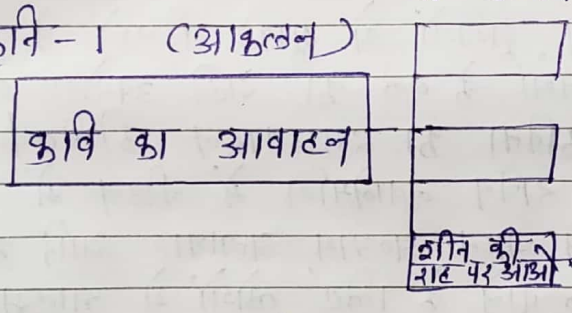

गीत की राह पर आओ

2) उत्तर लिखिए।

1) आज नर-नारी —

1) इस तरह निकलेंगे ......

2) यह लेंगे ....

3) दोनो की विशेषताएँ .....

4) दोनो रचना करेंगे

2) लिखिए —

1) काँटो का ताज लेंगे यानी क्या?

2) 'गीत मेरा भविष्य गाएगा' से कवि का तात्पर्य?

3) वर्तमान का कथन

1)

2)

3)

4)

Scanned by CamScanner

3) दो ऐसे प्रश्न बनाकर लिखिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो :
1) समाज की 2) भविष्य

Page No. (4)
Date

(शब्दसंपदा)
1) निम्नलिखित शब्द के शब्दयुग्म बनाकर लिखिए।
1) ..... - मीत 2) साथ ...
3) संगी - ..... 4) अच्छा - .....
2) निम्नलिखित शब्दो के उपसर्गयुक्त शब्द तैयार कर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए।
1) नीति 2) जीवन

(अभिव्यक्ति)
* समाज का नवनिर्माण और विकास नर-नारी के सहयोग से ही संभव है। इस विषयपर अपने विचार 40 से 50 शब्दोंमे लिखिए।

प्र० ~~6~~ रसास्वादन

* अन्याय, अत्याचार से दीन-दुखियों को मुक्ति दिलाने के लिए उनका बल जाना ही बलवान व्यक्तियों के बल का सही उपयोग है। इस कथन के आधारपर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए।
उत्तर → कवि त्रिलोचन द्वारा रचित नवनिर्माण में जीवन में संघर्ष करना बताया गया है। हमारे समाज मे व्याप्त अन्याय, अत्याचार आदि का बोलबाला है कवि इन बुराईयोंपर काबु कर पाने के लिए लोगों मे साहस और बल एकत्रा करने का आवाहन करता है यहाँपर बल प्रयोग से कवि का आशय किसी के विरुद्ध बल का अनावश्यक प्रयोग करने से न होकर सताए हुए दबाए हुए बलहीन लोगो का बल बनकर दिखाने से है बलहीन निरीह व्यक्तियोंपर होनेवाला अन्याय और अत्याचार तभी रुक सकता है और समाज को समानता का दर्जा मिल सकता है निर्बलतापर विजय पा सकते है। कवि अपनी कविता मे ~~बिना~~ इस प्रकार कहते है -

बल नही होता सताने के लिए
वह है पीडित को बचाने के लिए
बल मिला है, तो बल बनो सबके,
उठ पडो न्याय दिलाने के लिए।

कवि ने इस कविता में अपनी बात कहने के लिए रस अलंकार वाली श्रृंगारिक भाषा का प्रयोग किया है अपनी बात कहने के लिए दुरुहता के मायाजाल में ही फँसना पडा है। कविता के शाब्दिक शरीर के रूप मे सरल शब्दों की अभिधा शक्ति तथा कविता का प्रसाद गुण कविता मे व्यक्त भावों को सरलतापूर्वक आत्मसात करने मे प्रमुख भूमिका निभाते है।

Scanned by CamScanner